





## शिक्षा माफियावो द्वारा छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़

गोविन्द वर्मा / दैनिक बुद्ध का संदेश  
सोहास बाजार शिक्षा माफिया द्वारा छात्रों के जीवन के साथ



खिलवाड़ कर रहे हैं। जहाँ सरकार द्वारा अच्छी शिक्षा देने के लिए प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों का आधुनिकीकरण कर रही है। आमुनिक उपकरणों द्वारा छात्रों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देकर उच्च स्तराने पर देखना चाहती है। लेकिन शिक्षा माफिया द्वारा बच्चों के भविष्य को कौन कहे उनके जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। सरकार विकास क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडी जंगल के प्राथमिक विद्यालय गोसाई पुर में लाखों रुपये की लागत से नव निर्माण हो रहे विद्यालय भवन का नींव जितना होना चाहिए उतना नहीं है। इसके अलावा घटिया किस्म का ईंटों का प्रयोग करके निर्माण कार्य जारी है। नींव का वीम बिना सरिया (छड़ि) डाले ही वीम लगा दिया गया है। इसके अलावा पिलर में सिर्फ एक ही छड़ि लगा कर दीवार खड़ा किया जा रहा है। ऐसे मानक विद्यालय भवन के भविष्य पर कितना विश्वास किया जाय वह ही बताएगा। ऐसे विद्यालय में छोटे छोटे, नन्हे मुने बच्चे बैठ कर शिक्षा ग्रहण करेंगे तो उनके जीवन के साथ खिलवाड़ ही होगा। इसके जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं।

## उसका बाजार में भाजपा ने की मंडल स्तरीय बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश  
उसकाबाजार, सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय



## होली मिलन समारोह से एकता व भाई चारा को मिलता है बल: सांसद जगदम्बिका पाल

**भोजपुरी गायक अनिरुद्ध मौर्या ने अपने गीतों से बांधा शमा**

दैनिक बुद्ध का संदेश  
सिद्धार्थनगर। संत निरंकारी मिशन का एक आध्यात्मिक सत्संग

रविवार को कस्बा के बुद्ध विद्यापीठ महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ। मुखी डा. राजाराम यादव ने कहा कि बच्चों को सत्संग में जरूर लाना है।

जहाँ प्रेम सिखाया जाता है। सत महात्मा गुरु से प्यार करते हैं। गुरु भी हम सभी से प्यार करते हैं।

गुरु की असीम कृपा हैं कि निरंकार प्रभु को कपट कर दिए हैं। निरंकारी महात्मा प्रभु परमात्मा को देख कर भक्ति करते हैं। इस दर पर रमे हुए राम का दर्शन कराया जाता है। मनुष्य का जन्म ही ज्ञान की प्राप्ति के लिए हुआ है। सत्संग में जो कुछ सिखाया जाता है। उसे हम सभी को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हमेशा जनता की सेवा की है जनता से उन्हें अपार प्यार व सम्मान मिला है। जिसके बैठक रविवार हैं जब तक वे जीवित हैं लोगों की सेवा करते रहेंगे। होली मिलन समारोह में लोकगायक अनिरुद्ध मौर्या के गीतों पर लोग झूमते रहे उन्होंने एक से बढ़कर एक-दूसरे से नजदीकियों बनती हैं। हर त्योहार सौहार्दपूर्ण माहोल में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हमेशा जनता की सेवा की है जनता से उन्हें अपार प्यार व सम्मान मिला है।

दैनिक बुद्ध का संदेश  
भोजपुरी गायक अनिरुद्ध मौर्या ने अपने गीतों से बांधा शमा

कसीम पाल, अशोक अग्रहरि, प्रभावती देवी, सुनील पाठक, सूर्य, सुरेश श्रीवास्तव आदि की



अभय राम पांडे, मोनी पांडे, कैफी प्रकाश श्रीवास्तव, रमेश पांडे, सोनू उपरिथि उल्लेखनीय रही।

रिजीवी रामदेव अग्रहरि, शशि प्रकाश सिंह, प्रकाश सिंह, ज्ञान सिंह, कार्यक्रम का संचालन अमरनाथ अग्रहरि, राम प्रकाश जयसवाल, नरेंद्र श्रीवास्तव, मोहन प्रताप सिंह सिंह उर्फ सोनू ने किया।

दैनिक बुद्ध का संदेश  
सिद्धार्थनगर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर विद्यालय, लखनऊ में मार्च-अप्रैल 2023 में भारत सरकार के मिशन ल-20 के अंतर्गत प्रायोजित यूथ समिति का आयोजन किया जाना है। जिसमें प्रत्येक जनपद से दो-दो युवाओं को विशेष प्रशिक्षण का अवसर प्रदान किया जाएगा।

जनपद स्तर पर प्रतिभासाली युवाओं के बचने हेतु रत्नन सेन महाविद्यालय को स्वास्थ्य एवं खेल संबंधी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं के लिए नोडल केंद्र बनाया गया है। शिक्षक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हंसराज कुशवाहा ने बताया कि महाविद्यालय में 14 मार्च 2023, दिन मंगलवार को खेल एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य अधीक्षी कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रतियोगिताओं के उत्तम आयोजन एवं निष्पक्ष मूल्यांकन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जनपद से चयनित युवाओं को युवा कल्याण विभाग की तरफ से पुरस्कृत भी किया जाएगा।

## सूपाराजा को 22 रनों से पराजित कर जोगिया उदयपुर ने जीती ट्राफी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सुपा राजा में सूपा प्रीमियर लीग टूर्नामेंट के तत्वावधान में आयोजित टूर्नामेंट की चैम्पियन उदयपुर की टीम रही। रविवार को खेले गए काइब्बल मैच में टीम ने सूपा को 22 रनों से पराजित करते हुए ट्राफी पर कब्जा जामा लिया। ट्राफी जीतकर सूपा की टीम ने पहले क्षेत्रक्रियाएं करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करते हुए उदयपुर की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट खोने 202 रनों का स्कोर खड़ा किया। सुधीर यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रन कर्यूम ने 35 रन पंजक पांडेय ने 39 रन युवराजी दुर्गेश विश्वास ने 43 रन विकेट शुक्ला ने 6 रन नाशीद खेली। लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी सूपा की टीम लक्ष्य से 22 रन पीछे रह गई। टीम ने निर्धारित आवोरों में आठ विकेट के नुकसान पर मात्र 180 रन ही बना सकी। सुमित सिंग ही थोड़ा संघर्ष कर सके, 30 रनों की पारी खेली। उदयपुर की ओर से सुधीर ने तीन विकेट लिए। सुधीर यादव को मैन आफ द मेच के लिए चुना। यादव कैर्टर्स जीतें ने विजेता एवं उपविजेता टीम के कपान को ट्राफी देने के लिए खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया।



दैनिक बुद्ध का संदेश  
सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनंद पुलिस अधीक्षक जनपद



दैनिक बुद्ध का संदेश  
सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनंद पुलिस अधीक्षक जनपद

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में एवं सिद्धार्थ, (अपर पुलिस अधीक्षक), के निर्देशन, व देवी गुलाम क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्वक्रम में संज्ञय अपराध की रोकथान व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना स्थानीय से 04 व्यक्ति को अन्तर्गत थारा 151 / 107 / 116 बत्तचब में गिरफ्तार कर चालान किया गया।

# सम्पादकीय

हमारे देश में अक्सर 60-70 प्रतिशत मतदान होता है, यानी चुनी गई, सरकार को 30 प्रतिशत जनता ने वोट नहीं दिया। जिन लोगों ने मतदान किया उनमें से भी बहुत से लोग विपक्षी अथवा स्वतंत्र उम्मीदवारों को वोट देते हैं। कोई भी 50ल्न से आज तक नहीं जीता है। चुनाव जीतना ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है, इसलिए उम्मीदवार ...

# राज व्यवस्था में भ्रष्टाचार

भारतीय शासन व्यवस्था ऐसी बन गई है कि हम भ्रष्टाचार रहित जीवन की कल्पना भी नहीं कर पाते। जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार है, रोजमर्झ के हर काम में भ्रष्टाचार है। लाइन तोड़ने से लेकर जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार पसरा हुआ है। कई बार लगता है मानो भ्रष्टाचार कोई मुद्दा ही नहीं रहा। नेता भ्रष्ट हैं, अधिकारी भ्रष्ट हैं, व्यापारी भ्रष्ट हैं, जनता भ्रष्ट है। हमारी रग-रग में भ्रष्टाचार भर गया है। जब सभी भ्रष्ट हैं तो इसे जीवन का हिस्सा मानकर स्वीकार कर लिया गया है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किसी भ्रष्ट सरकारी अधिकारी से लड़ना आ बैल मुझे मार जैसा है, अतः हम लोग चुपचाप रिश्वत देकर काम करवाना ही ठीक समझते हैं, वरना यह लगभग पक्का है कि उस भ्रष्ट अधिकारी का कुछ बिंगड़े या न बिंगड़े, पर हमारा काम जरूर अटक जाएगा। भ्रष्टाचार की मकबूलियत इस हद तक की है कि आज से लगभग आधी सभी पहले भी जब तत्कालीन प्रधानमंत्री हीदरा गांधी ने हमारा भारत महान का नारा दिया था तो समाज में प्रचलित चुटकुलों में 99 प्रतिशत बेर्इमान, फिर भी मेरा देश महान शामिल हो गया। हम लोग इन चुटकुलों को पढ़ते थे, हंसते थे और भूला देते थे। हमारा देश गरीब लोगों का अमीर देश है। यहां प्राकृतिक संसाधनों और खनिज पदार्थों की भरमार है, लेकिन लोग गरीब हैं, गरीबों और अमीरों के बीच की खाड़ी उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है। गरीबी से सताया हुआ व्यक्ति इतना विश्व हो जाता है कि वह अक्सर अपना अपमान भी चुपचाप सह लेता है। इससे उसका आत्मविश्वास जाता रहता है और समाज में उसका योगदान घटने लगता है। भ्रष्टाचार पर काबू पाने के उपायों के संबंध में लोगों की राय अलग-अलग है। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि पहले हमें बदलना होगा, तभी कोई सुधार संभव है। दूसरी ओर प्रशासनिक सुधारों से जुड़े रहे अनुभवी लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार पर काबू पाने का एक ही तरीका है कि सिस्टम में सुधार किया जाये। हमारे देश में महापुरुषों की कमी कभी नहीं रही, हम रस्भाव से आदर्शवादी हैं,

फिर भी यदि समाज में नैतिक गिरावट बढ़ती जा रही है तो इसका कारण यही है कि भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए कोई मजबूत सिस्टम उपलब्ध नहीं है। इसका प्रमाण यह है कि विदेशों में बसे भारतीय सफल भी हैं। और नैतिक तथा सामाजिक रूप से जिम्मेदार भी। यदि सचमुच भारतीय होने के कारण हम बेर्इमान होते तो फिर विदेशों में बसे 7 भारतीय भी बेर्इमान ही होते। विभिन्न अध्ययनों से सिद्ध होता है 7 कि देश का सिस्टम कैसा भी हो, लगभग 10 प्रतिशत लोग ईमानदार होते ही हैं, और कुछ भी कर ले तो भी 10 प्रतिशत के लगभग लोग बेर्इमानी से बाज नहीं आते, जबकि 80 प्रतिशत लोग समाज की स्थितियों के अनुसार ढल जाते हैं। यदि सिस्टम मजबूत हो, बेर्इमानी पर तुरंत सजा होती है, तो ये लोग बेर्इमानी की कोशिश नहीं करते, लेकिन यदि वे यह देखें कि बेर्इमानी करने वाला फल-फूल रहा है, उसे कोई सजा नहीं मिल रही, बल्कि वह जीवन का ज्यादा आनंद ले रहा है तो ये 80 प्रतिशत लोग भी बेर्इमानी पर उत्तर आते हैं। इसलिए कहा जाता है कि भ्रष्टाचार पर रोकथाम के लिए सिस्टम को मजबूत बनाना आवश्यक है। हमारे समाज की अवनति का कारण ही यह है कि हमारे देश में सत्तारूढ़ लोगों ने अपने निहित स्वार्थों की खातिर सिस्टम को मजबूत बनाने के बजाय या तो सिस्टम बनाया ही। नहीं, या फिर जानबूझकर उनमें खामियां छोड़ दीं। हमारे देश की चुनाव प्रक्रिया ही ऐसी है जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। हमारे देश में अक्सर 60-70 प्रतिशत मतदान होता है, यानी चुनी गई, सरकार को 30 प्रतिशत जनता ने वोट नहीं दिया। जिन लोगों ने मतदान किया उनमें से भी बहुत से लोग विपक्षी अथवा स्वतंत्र उम्मीदवारों को वोट देते हैं। कोई भी 50ल्न से आज तक नहीं जीता है। चुनाव जीतना ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है, इसलिए उम्मीदवार जीत सुनिश्चित करने के लिये हर तरह के जायज और नाजराज तरीके अपनाते हैं। स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए शुरुआत हमें जड़ से करनी होगी।

## गुरु महिमा का महात्म्य बतलाते हैं गोस्वामी तुलसीदास



गोस्वामी तुलसीदास के लिए गुरु सर्वोक्तृष्ट हैं। गुरु ही शिष्यों को सदमार्ग सुझाते हैं। बालकांड में गोस्वामी जी लिखते हैं कि बंदं गुरु पद कंज कृपा संधुं नरकरप हरि। महामोह तम पुंज जासु बचन रवि निकर। अर्थात मैं उन गुरु महाराज के चरण कमल की वंदना करता हूं जो कृपा के समुद्र और नर रूप में श्री हरि ही हैं और जिनके बचन महा मोह रूपी धने अंधकार के नाश करने के लिए सूर्य की किरणों के समूह ही हैं। गुरु के प्रति ऐसा समर्पण दुर्लभ है। आगे गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते हैं कि बंदं गुरु पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा। अमित मूरिमय चूरन चारू। समन सकल भव रुज परिवार।। अर्थात मैं गुरु महाराज के चरण कमलों की रज की वंदना करता हूं जो सुरुचि( सुंदर स्वाद ), सुधांश तथा अनुराग रूपी रस से पूर्ण है। वह अमर संजीवी बृती का सुंदर चूर्ण है, जो सम्पूर्ण भवरोगों के परिवार के नाश करने वाला है। इसका अभिप्राय यह है कि व्यक्ति को सभी प्रकार के संसारिक विषय वासनाओं से मुक्ति प्रदान करने वाला है। पुनः गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते हैं कि श्री गुरु पद नख मनि गन जोती। सुमित्र दिव्य दृष्टि हिंय होती। दलन मोह तम सो सप्रकासू। बड़े भाग उर आवृज जासू।। अर्थात श्री गुरु महाराज के चरण के नखों की ज्योति मणियों के प्रकाश के समान है। जिसके स्मरण करते ही हृदय में दिव्य दृष्टि उत्पन्न हो जाती है। वह प्रकाश अज्ञान रूपी अंधकार का नाश करने वाला है। वह जिसके भी हृदय में आ जाता है, उसके बड़े भाग हैं। आप देखिए तो पाएंगे कि गोस्वामी जी के लिए गुरु की किलनी बड़ी महिमा है। ऐसे प्रतीत होता है कि वे केवीरदास के गुरु गोबिंद दो खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरु अपने, गोबिंद दिया बताय।। से दो कदम और आगे जाकर गुरु महिमा की वंदना में सन्दर्भ है। आज जब समाज में गुरु जन के प्रति नकारात्मकता का भाव भरा जा रहा है और गुरु भी शिष्यों के प्रति शिष्य वत्सल नहीं हैं ऐसे में महानायक तुलसीदास की पंथियों को पुनः पठकर आचरण में उतारना होगा। आकाशधर्मा गुरु नरहरि की तरह गुरुओं को भी बनना पड़ेगा ताकि तुलसीदास जी जैसे अलोकिक प्रतिभासे ये युक्त शिष्य का निर्माण कर सकें। गोस्वामी जी ने श्रीराम चरित मानस को चरित्र निर्माण की पाठसाला के रूप में संजोया है।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

तुकिये की एडा इस्केंड्रम ने एक ट्रैक्ट के रूप में

आभार व्यक्त किया, जो सैनिक-चिकित्सकों के

प्रति लोकप्रिय भावना को व्यक्त करती है, आप सभी

हमारे नायक हैं। हम उन दिनों में एक-दूसरे को

देखेंगे, जब हम रो नहीं रहे होंगे रख्यानि, रुशी के

समय में,। मैं भारत आऊंगी, लेकिन हम आपको

भविष्य में हटे में फिर से देखना चाहेंगे। हम आप लोगों

से प्यार करते हैं। तुकिये के एक मेडिकल छात्र....

लेपिटनेंट जनरल डॉ. सुब्रत साहा 60 पैराशूट फौल्ड अस्पताल शामिल थे। 60 पैराशूट फौल्ड (जिसे पहले एम्बुलेस कहा जाता था) ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 1950-53 के कोरियाई युद्ध में बहुत ख्याति लिया। ऐसे प्रतीत होता है कि अब अर्जित की थी। भारत की अंतर्राष्ट्रीय संकट प्रबंधन संरचना ने बहुत ही तेजी से काम किया, व्यक्तिके भूकंप के कुछ घंटों के भीतर, सेना मुख्यालय से 60 पैरा फौल्ड अस्पताल को 11 पूर्वाह्न ईर्षयी तक मिशन के लिए तैयार होने के आदेश प्राप्त हुए। 60 पैरा फौल्ड अस्पताल ने एक ट्रैक्टोनिक लेट, अनातोनोप्सियन लेट, केवीर विनियोग से स्थानीय घर्षण करते हुए उत्तर की ओर बढ़ गई है। पहला भूकंप, 6 फरवरी को स्थानीय समय के अनुसार 0417 बजे (6047 पूर्वाह्न), एवं एसीएसटी को प्रतिबन्धित करने के लिए देखेंगे, जब हम रो नहीं रहे होंगे रख्यानि, रुशी के समय में,। मैं भारत आऊंगी, लेकिन हम आपको भविष्य में हटे में फिर से देखना चाहेंगे। हम आप लोगों से प्यार करते हैं। तुकिये को भूकंप के खंडों ने भारतीय चिकित्सा और शाल्य चिकित्सा, सर्जिकल अपरेशन के साथ गति को बर्ताए रखा रखा है। तुकिये को भूकंप के खंडों के अंतर्गत भारतीय चिकित्सा के नियमों से सहित चिकित्सा, शाल्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा और आपदा राहत उपकरणों को भारतीय चावु सेना द्वारा हिंडन एयरबेस से हवाई मार्ग से पहुंचाया गया। 8 फरवरी को तुकिये पूर्वाह्न के तीन घंटे के भीतर, हटे के इस्केंड्रन में फिल्ड अस्पताल से प्रभावित किया गया, जो खंडों में गंभीर रुप से प्रभावित प्राणियों को इस्केंड्रन के रूप से प्रभावित करता है। तुकिये के खंडों में गंभीर रुप से प्रभावित करता है। तुकिये के खंडों में गंभीर रुप से प्रभावित करता है। तुकिये के









## उत्तर प्रदेश में राजमार्ग से बन रही उन्नति की नई राह



“ 21वीं सदी का नया भारत, बेहतरीन और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। बेहतर सड़कें, रेल नेटवर्क, एयरपोर्ट ये सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स नहीं होते, बल्कि ये पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कर देते हैं। ”  
— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

### ₹13000 करोड़ से अधिक के निवेश से 27 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

#### नितिन गडकरी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार  
के कर-कमलों द्वारा

सोमवार, 13 मार्च 2023

#### योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश  
की अध्यक्षता में

जंगल कौड़िया-मोहदीपुर खण्ड का 4 लेन निर्माण  
(NH-29E, कुल लम्बाई-18 किमी, लागत ₹323 करोड़)

बंगाली टोला से बनरहा पूरब पट्टी तक निर्माण  
(NH-730, कुल लम्बाई-19 किमी, लागत ₹70 करोड़)

सौनौली-जंगल कौड़िया (गोरखपुर)  
खण्ड का 4 लेन निर्माण  
(NH-24, कुल लम्बाई-80 किमी, लागत ₹2700 करोड़)

महाराजगंज-निचलौल-दूठीबारी का  
2 लेन पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-730S, कुल लम्बाई-40 किमी, लागत ₹809 करोड़)

शोहरतगढ़-उसका बाजार का  
2 लेन पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-730, कुल लम्बाई-33 किमी, लागत ₹510 करोड़)

शोहरतगढ़ बाईपास का निर्माण  
(NH-730, कुल लम्बाई-6 किमी, लागत ₹189 करोड़)

छावनी-छपिया का 2 लेन पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-227A, कुल लम्बाई-55 किमी, लागत ₹281 करोड़)

कुई बाजार से गोला तक निर्माण  
(NH-227A, कुल लम्बाई-9 किमी, लागत ₹38 करोड़)

शिलान्यास  
4 लेन ग्रीनफील्ड गोरखपुर  
बाईपास का निर्माण  
(कुल लम्बाई-27 किमी, लागत ₹2100 करोड़)

हड़िया चौराहे से करमैनी घाट तक  
2 लेन पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-328, कुल लम्बाई-49 किमी, लागत ₹593 करोड़)

सिकरीगंज-बड़हलगंज का 2 लेन पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-227A, कुल लम्बाई-39 किमी, लागत ₹403 करोड़)

गोरखपुर-आनन्द नगर रेल खण्ड पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण  
(लागत ₹66 करोड़)

दोपहर 12:30 बजे, महन्त दिविजयनाथ पार्क, गोरखपुर

भौराबरी से परतावल चौराहा तक निर्माण  
(NH-328, कुल लम्बाई-26 किमी, लागत ₹94 करोड़)

बमनान में सीसी पेवमेन्ट का निर्माण  
(NH-727G, कुल लम्बाई-380 मी, लागत ₹4 करोड़)

बड़हलगंज-महरौना घाट का 2 लेन  
पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-227A, कुल लम्बाई-57 किमी, लागत ₹974 करोड़)

बलरामपुर बाईपास का 2 लेन  
पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(कुल लम्बाई-21 किमी, लागत ₹516 करोड़)

छपिया-सिकरीगंज का 2 लेन  
पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-227A, कुल लम्बाई-35 किमी, लागत ₹307 करोड़)

गिलौला बाईपास का 2 लेन पेड़शोल्डर सहित निर्माण  
(NH-730 कुल लम्बाई-3.50 किमी, लागत ₹62 करोड़)

झाँसी-खजुराहो खण्ड (उत्तरी सीमा) का 4 लेन निर्माण  
(NH-75/76, लागत ₹1410 करोड़)

झाँसी-उरई खण्ड पर गुलारा गांव में वे-साईड अमेनिटी का विकास  
(NH-27, क्षेत्रफल-2.123 हेक्टेक, लागत ₹11 करोड़)

म.प्र.-उ.प्र. सीमा से कबरई खण्ड  
का 4 लेन निर्माण  
(NH-34 एवं 35, कुल लम्बाई-46 किमी, लागत ₹1681 करोड़)

राष्ट्रीय राजमार्ग-27 एवं 44 के जंक्शन  
पर इंटरचेन्ज का निर्माण  
(NH-27 एवं 44, कुल लम्बाई-1.30 किमी, लागत ₹126 करोड़)

सूपा में रोड ओवर ब्रिज का निर्माण  
(NH-76, लागत ₹79 करोड़)

किडारी में रोड ओवर ब्रिज का निर्माण  
(NH-76, लागत ₹64 करोड़)

झाँसी-कानपुर खण्ड के झाँसी मेडिकल तिराहे  
पर फ्लाईओवर का निर्माण  
(NH-27, कुल लम्बाई-1.3 किमी, लागत ₹61 करोड़)

खैराड़ा में रोड ओवर ब्रिज का निर्माण  
(NH-76, लागत ₹51 करोड़)

झाँसी-ललितपुर खण्ड के कैलगुंवा चौराहा पर  
अण्डरपास और सर्विस रोड का निर्माण  
(NH-44, लागत ₹19 करोड़)

दोपहर 03:30 बजे, पुलिस लाईन, मोदी ग्राउंड, महोबा

#### परियोजना के लाभ

सोनौली-गोरखपुर के 4 लेन निर्माण से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा तक यातायात में समय बचत के साथ सीमा सुरक्षा, पर्यटन एवं व्यापार को बढ़ावा।

बाईपास के निर्माण से गोरखपुर रिंग रोड पूर्ण होगी जिससे शहर में जाम से निजात, व्यापारिक, आवासीय इकाईयों की स्थापना।

कुशीनगर से लुम्बिनी तक सड़क निर्माण से बौद्ध पर्यटन स्थलों में अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा।

गिलौला बाईपास के निर्माण से बहराइच-श्रावस्ती-बलरामपुर की बेहतर कनेक्टिविटी एवं देवी पाटन मंदिर के पर्यटकों के लिए यातायात की सुगमता।

झाँसी-खजुराहो के निर्माण से मैहर-सिंगरौली-रांची औद्योगिक गलियारे एवं झाँसी-ओरछा-खजुराहो में यातायात की सुगमता एवं पर्यटन को बढ़ावा।

म.प्र.-उ.प्र. सीमा से कबरई खण्ड के निर्माण से भोपाल-कानपुर औद्योगिक गलियारे में लखनऊ तक यातायात की सुगमता एवं समय की बचत।

झाँसी-प्रयागराज के मध्य रोड ओवर ब्रिज के निर्माण से बुन्देलखण्ड क्षेत्र में यातायात में सुगमता एवं समय की बचत।

उ.प्र. में निवेश को प्रोत्साहन एवं औद्योगिक विकास को बढ़ावा, नये रोज़गार के अवसरों का सृजन, समय एवं ईंधन की बचत तथा प्रदूषण में कमी।

#### गरिमामयी उपस्थिति

**जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह** (सेवानिवृत्त)  
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग एवं नागरिक विमानन राज्यमंत्री  
भारत सरकार

**पंकज चौधरी**  
वित्त राज्यमंत्री  
भारत सरकार

**जितिन प्रसाद**  
लोक निर्माण मंत्री  
उत्तर प्रदेश

**डा. संजय कुमार निषाद**  
मत्स्य मंत्री  
उत्तर प्रदेश

**रामकेश निषाद**  
जल शक्ति राज्यमंत्री  
उत्तर प्रदेश

**रमापति राम त्रिपाठी**  
सांसद (लोकसभा)

**जगद्दम्भिका पाल**  
सांसद (लोकसभा)

**हरीश द्विवेदी**  
सांसद (लोकसभा)

**रवि किशन**  
सांसद (लोकसभा)

**कुंवर पुष्णेन्द्र सिंह चन्द्रेल**  
सांसद (लोकसभा)

**कमलेश पासवान**  
सांसद (लोकसभा)

**अनुराग शर्मा**  
सांसद (लोकसभा)

**आर. के. सिंह पटेल**  
सांसद (लोकसभा)

**विजय कुमार दूबे**  
सांसद (लोकसभा)

**कीर्ति वर्धन सिंह**  
सांसद (लोकसभा)

**प्रवीन कुमार निषाद**  
सांसद (लोकसभा)

**रविन्द्र कुशवाहा**  
सांसद (लोकसभा)

**राम शिरोमणि वर्मा**  
सांसद (लोकसभा)

**डा. राधा मोहन दास अग्रवाल**  
सांसद (राज्यसभा)

**संगीता यादव**  
सांसद (राज्यसभा)

**वृजलाल**  
सांसद (राज्यसभा)

**वाबू राम निषाद**  
सांसद (राज्यसभा)